This question paper contains 1 printed page. **December, 2021**

Roll No. :

Unique Paper Code : 121301102 / 102

Name of the Paper : साहित्यशास्त्र: साहित्यदर्पण

Poetics: Sahityadarpana

Name of the Course : M.A. (Sanskrit), CC

Scheme : LOCF/Old Course

Semester : I

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 70

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर पर 3 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके एकल पीडीएफ बनाकर प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions**. Each question contains equal marks.
3. The **4** questions to be completed in 3 hours on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and make single pdf the uploaded on specific portal.

1. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' विश्वनाथ की इस स्थापना की समीक्षा कीजिए।
   Critically discuss 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' as established by Viśvanātha.
2. विश्वनाथ के अनुसार लक्षणा को परिभाषित करते हुए उसके मुख्य 16 भेदों की विस्तृत विवेचना कीजिए।
   Defining Lakṣaṇā according to Viśvanātha and elucidate its 16 principal types.
3. रस के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए साधारणीकरण की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।
   Highlighting the nature of Rasa explain the role of साधारणीकरण.
4. ध्वनिकाव्य क्या है? उसके प्रमुख 18 भेदों की विस्तृत विवेचना कीजिए।
   What is Dhvani Kāvya? Explain its 18 main types in detail.
5. विश्वनाथ के अनुसार सन्धि की परिभाषा बतलाते हुए उसके पाँच प्रमुख भेदों की सोदाहरण विवेचना कीजिए।
   Defining Sandhi according to Viśvanātha explain its five principal types with the help of illustrations.
6. साहित्यदर्पण में निरूपित महाकाव्य के स्वरूप को विस्तार से स्पष्ट कीजिए।
   Explain in detail the nature of Mahākāvya as depicted in Sāhityadarpaṇa.